देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 17 अंक: 37 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...आंतरिक गुटबाजी की समस्या

पेज थ्री

देहरादून, रविवार, 8 मई 2022

PAGE 3 PUBLICATION

मौसम अधिकतम 34.0° न्यूनतम 24.0°

40243.38 | 2 शी जिनपिंग ने दी धमकी | 7 फास्ट बॉल फेंककर भी पिटे उमरान मलिक

चारधाम यात्रा इतिहास में जुड़ा नया अध्याय

केदारनाथ में पहले दिन 23512 भक्तों ने दर्शन कर बनाया नया रिकॉर्ड

संवाददाता

देहरादून। भगवान केदारनाथ के कपाट खुलने पर उमड़े श्रद्धा के सैलाब ने चारधाम यात्रा के इतिहास में नया अध्याय जोड़ दिया है। कोरोना की वजह से दो वर्षों से कपाट खुलने के मौके पर चला आ रहा सन्नाटा भक्तों के जयकारों से टूटा गया। कपाट खुलने के पहले दिन शाम चार बजे तक 23 हजार से ज्यादा श्रद्धालुओं ने केदारनाथ धाम में दर्शन किए।

यह पहले दिन भक्तों की संख्या का अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। मंदिर परिसर में सेना की बैंड धुनों, ढोल-तमाशे की थाप पर यात्री थिरकते रहे। सुबह 4 बजे तक केदारनाथ मंदिर परिसर का एक हिस्सा श्रद्धालुओं से पूरी तरह से भर गया था। मंदिर मार्ग पर जीएमवीएन तक भक्तों की लाइन लगी हुई थी।

हिमालय से बहती बर्फीली हवा के बीच जैसे-जैसे कपाट खुलने का समय नजदीक आता रहा, भक्तों का उल्लास बढ़ता गया। इस दौरान केदारपुरी बम-बम भोले के जयकारों से गूंजती रही। शुभ मुहूर्त पर सुबह 6:25 बजे कपाट खुलने के बाद बाबा के दर्शनों के लिए भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था। शाम चार बजे तक केदारनाथ में 23,512 श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन कर चुके थे। इससे पहले 2019 में पहले दिन नौ हजार भक्तों ने दर्शन किए थे।

दिवारा यात्रा समिति के अध्यक्ष धीर सिंह बिष्ट व सचिव देवेंद्र ने बताया कि केदारनाथ में मां चंडिका ने अखंड ज्योति व बाबा केदार के दर्शन किए। शनिवार को मां चंडिका श्रीबदरीनाथ धाम के दर्शन किए। केदारनाथ में मंदिर के पीछे आदिगुरु शंकराचार्य की नव निर्मित समाधिस्थल को देखने के लिए श्रद्धालुओं की काफी भीड़ जुटी रही। श्रद्धालुओं ने वहां बैठकर साधना भी की।

बता दें कि जून 2013 की आपदा में समाधिस्थल बह गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के केदारनाथ पुनर्निर्माण को ड्रीम प्रोजेक्ट में शामिल करने के बाद बीते वर्ष समाधि स्थल बनकर तैयार हुआ। वीआईपी द्वार से दर्शनों के लिए पुलिस और श्रद्धालुओं के बीच खूब नोकझोंक होती रही। हुआ यह कि कपाट खुलने के बाद एकाएक यहां सैकड़ों श्रद्धालु मंदिर में प्रवेश करने लगे।

अब तक कुल 653963 श्रद्धालु पंजीकरण करा चुके

चारधाम यात्रा में जाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है। केदारनाथ धाम दर्शन के लिए अब तक सबसे ज्यादा 226173 श्रद्धालुओं ने पंजीकरण कराया है। वहीं चारधाम सहित हेमकुंड साहिब यात्रा के लिए अब तक कुल 653963 श्रद्धालु पंजीकरण करा चुके हैं। राज्य सरकार की तरफ से यात्रा के लिए कोविड जांच की निगेटिव रिपार्ट साथ लाने की बाध्यता नहीं रखी गई है। ऐसे में इस बार यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी होने की संभावना है।

केदारनाथ में बारिश, दून में खिली चटख धूप

उत्तराखंड में मौसम का मिजाज बदला-बदला है। पर्वतीय जिलों में बारिश की वजह से गर्मी से राहत मिल रही है तो वहीं मैदानी इलाकों में गर्मी और उमस परेशान कर रही है।

वहीं शनिवार को दोपहर बाद केदारनाथ में जोरदार बारिश हुई। जिससे धाम में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। वहीं देहरादून सहित राज्य के लगभग सभी मैदानी इलाकों में चटख धूप खिली है। लोगों का गर्मी से बुरा हाल है। मौसम विभाग के अनुसार आज भी पर्वतीय जिलों में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। जबकि, मैदानी इलाकों में मौसम शुष्क रहने की आशंका है।

कंट्रोल रूम में 24 घंटे को तीन शिफ्ट में बांटकर अलग से तीन कार्मिकों की ड्यूटी लगाई गई है।

संक्षिप्त समाचार

देश में फिर कोरोना के मामलों में आया उछाल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। देश में एक बार फिर से कोरोना के मामलों में तेजी दर्ज की गई है। बीते 24 घंटों के दौरान देशभर में 3805 नए मामले दर्ज किए गए हैं। इस दौरान 3168 मरीज ठीक हुए हैं और 22 की मौत भी हुई है। देशभर में एक्टिव केस अब 20303 हो गए हैं। गौरतलब है कि इस सप्ताह की शुरुआत में कोरोना के मामले तीन हजार के नीचे पहुंच गए थे, लेकिन अब कुछ दिनों से फिर कोरोना के नए मामलों में इजाफा होता दिखाई दे रहा है।

दूसरे दिन भी सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वाराणसी। अंजुमन इंतजमिया मसाजिद कमेटी की ओर से शुक्रवार के बाद शनिवार को ज्ञानवापी में सर्वे का विरोध करने में जुटे है। गेट नंबर चार के बाहर सड़क पर मुस्लिम समाज से जुड़े लोग काफी संख्या में जुटे और नारेबाजी करने लगे। नारेबाजी करने वालों को पकड़कर ले गई पुलिस। आज सर्वे भी नहीं हो पाई।

देश की सीमा के पहरेदारों को सुविधाएं देना हमारी प्राथमिकता

बीआरओ के 63वें स्थापना दिवस पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के 63वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम में अपना संबोधन भी दिया। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत की सीमाओं की रक्षा करने वालों को ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं मुहैया कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों का विकास सुनिश्चित करना सरकार की व्यापक रक्षा रणनीति का एक प्रमुख हिस्सा है।

राजनाथ ने आगे कहा, आज बीआरओ मित्र राष्ट्रों में भी अपनी सेवाएं देकर उन्हें हमसे जोड़ने का काम भी कर रहा है। पिछले 6 दशकों से बीआरओ सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास का एक मजबूत स्तंभ बना हुआ है। 1960 में 2 प्रोजेक्ट से बढ़कर अब ये 18 प्रोजेक्ट तक पहुंच गया है। हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता उन लोगों को ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं मुहैया कराना है जो हमारी सुरक्षा के लिए दिन रात काम कर रहे हैं, जो इस देश की सीमा के पहरेदार हैं।

उत्तरी क्षेत्र में चीन की मौजूदगी से अवगत

राजनाथ ने कहा कि हम उत्तरी क्षेत्र में चीनी उपस्थिति से अवगत हैं। वे कुशल निर्माण तकनीकों के कारण पहाड़ी क्षेत्रों में तेजी से पहुंचने की कोशिश करते हैं। बीआरओ को समानांतर में काम करना चाहिए और अपनी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करना चाहिए। सरकार इस दिशा में बीआरओ को सहयोग दे रही है।

बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए बीआरओ की भी तारीफ

रक्षामंत्री ने देश के सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए बीआरओ की भी सराहना की। उन्होंने पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास का उदाहरण देते हुए कहा कि यह अब देश के समग्र विकास के लिए नया प्रवेश द्वार बन गया है। राजनाथ ने कहा कि मानव सभ्यता की यात्रा में सड़कों का बहुत महत्व रहा है। शिक्षा हो या स्वास्थ्य, व्यापार या खाद्य आपूर्ति, सेनाओं की सामरिक जरूरतें, उद्योग या सामाजिक-आर्थिक प्रगति के अन्य कार्य, सड़कों और पुलों की भूमिका महत्वपूर्ण है। बीआरओ ने अब तक 60,000 किमी सड़क, 850 पुल, 19 हवाई पट्टी और 4 सुरंगों का निर्माण किया है। अटल सुरंग के निर्माण में बीआरओ ने पूरी दुनिया को अपना इंजीनियरिंग कौशल दिखाया।

शांति स्थापित करने में नहीं छोड़ूगा कोई कसर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

संयुक्त राष्ट्र। रूस द्वारा यूक्रेन पर थोपे गए युद्ध के दो माह पूरे होने के बाद पहली बार संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने एक बयान जारी किया है। इस बयान में यूएन प्रमुख द्वारा इस विवाद के शांतिपूर्ण हल को तलाशने के लिए उनका पूरा समर्थन करने की बात कही गई है। इस बयान में ये भी कहा गया है कि सिक्योरिटी काउंसिल यूक्रेन की शांति और सुरक्षा को लेकर काफी चिंतित है। बता दें कि रूस ने यूक्रेन पर पहली बार 24 फरवरी को हमला किया था। भारत ने बूचा में हुए भीषण नरसंहार को भी गलत बताते हुए इसकी कड़ी आलोचना की।

बता दें कि यूएनएससी की अध्यक्षता फिलहाल अमेरिका के पास है। इस बैठक में संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने सदस्यों को उनके कीव और मास्को दौरे की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस दौरे पर उन्होंने मास्को में भी वही कहा जो कीव में कहा था। गुतरेस के मुताबिक मास्को के दौरे पर उन्होंने राष्ट्रपति पुतिन के समक्ष कहा कि उनका यूक्रेन पर हमला यूएन चार्टर का खुला उल्लंघन है। इस युद्ध को अब खत्म कर देना चाहिए। गुतरेस ने इस बात पर खुशी जताई कि सभी सदस्यों ने पहली बार यूक्रेन की शांति के लिए एक स्वर में बात की। उन्होंने कहा कि रूस के हमलों को रोकने के लिए समूची दुनिया को एकजुट होकर अपनी बात रखनी चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र चार्टर के मूल्यों को बनाए रखने के लिए सभी का एक साथ आना बेहद जरूरी है। उन्होंने ये भी कहा कि वो यूक्रेन में लोगों का जीवन बचाने और दोनों देशों के बीच शांति का रास्ता खोजने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। मैक्सिकन दूत ने कहा कि इस मसले का राजनयिक समाधान खोजने में यूएन और महासचिव का समर्थन करने के लिए ही वो सभी एकजुट हुए हैं।

समर्थन

■पहली बार संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने जारी किया बयान

Are you Planning to make a Website or already have ?

If yes, then we are here to serve you

What we do

Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.

Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS

Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.

Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. | Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

भीषण गर्मी से जल्द मिलेगी राहत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

20 मई के बाद कभी भी केरल में दस्तक दे देगा मानसून

नई दिल्ली। देश के विभिन्न हिस्सों में भीषण गर्मी और लू की मार झेल रहे लोगों के लिए मौसम विभाग ने राहत की खबर दी है। भारतीय मौसम विभाग का कहना है कि इस बार देश में मानसून समय से पहले दस्तक दे सकता है। मौसम विभाग का कहना है कि मानसून इस बार 20 मई के बाद कभी भी केरल में दस्तक दे देगा। देश में सामान्य तौर पर मानसून की शुरुआत केरल में 1 जून से होती है। मौसम विभाग ने मानसून के जल्द आगमन के संकेत लेटेस्ट विस्तारित रेंज पूर्वानुमान (ईआरएफ) से दिए हैं। इसे पुणे स्थित आईआईटीएम में विकसित मल्टी-मॉडल एक्सटेंडेड रेंज प्रेडिक्शन सिस्टम का उपयोग करके तैयार किया गया है। आईआईटीएम के एक टॉप एक्सपर्ट ने बताया कि मई 5 से एक जून की चार सप्ताह की विस्तारित अवधि के पूर्वानुमान के अनुसार, केरल में मानसून की शुरुआत 20 मई के बाद कभी भी हो सकती है। पिछले ईआरएफ में भी 19-25 मई की अवधि थी। यह 28 अप्रैल को जारी किया गया था।